To
The Board of Studies,
S.D.Mahila Mahavidyalya,
Narwana.

Sub: Approval for "Lok Naritya" Certificate course..

Respected Madam,

We want to start a certified offline course "Lok Naritya"(30 Hours) in our campus. A Certificate is an education goal for many students who want to improve their visibility among aggressive job applications. Certificates may help to provide students with increased skills and experience. Syllabus of "Lok Naritya" is attached with this application. Please kindly approve this certified course. We shall be thankful to you for this.

Enclosed: Syllabus of the Certificate Course.

Yours Faithfully

Mr.Jasbir
Asstt. Prof. of Music

Principal
S.D. Mahila Mahavidyalya
Narwana

Ph. No. 01684-240161

S D MAHILA MAHAVIDYALYA

NARWANA-126116 (JIND) HARYANA

Dated:- 20-1-2020

Notice

सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 20.01.2020 से महाविद्यालय में Lok Naritya पर 30 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स करवाया जाएगा और कोर्स के अंत में 30 अंक की परीक्षा ली जाएगी और छात्राओं को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

Principal
S.D. Mahila Mahavidyalya
Narwana

.....

Jasbir
Asst. Prof. of Music

Subject: Approval for **"लोक नृत्य"** by the Board of Studies

Dear Jasbir,

I am pleased to inform you that after careful consideration and review by the Board of Studies, has approved "लोक नृत्य" which spans over 30+ hours of instruction.

This course has been evaluated thoroughly to ensure its alignment with our institution's academic standards and objectives. We believe that it will significantly contribute to the academic enrichment of our students and align with our commitment to providing high-quality education.

Thank you for your interest and support in our academic endeavors.

Yours sincerely,

Dr. Nayandeep
Assoc. Prof. in Eco.
Convener

Dr. Anita Chhabra
Asst. Prof. in Hindi
Member

Dr. Shallu Sachdeva
Asst. Prof. in Hist.
Member

Suman Garg
Asst. Prof. in Eng.
Member

Nisha
Asst. Prof. in Chem.
Member

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय
नरवाना (जींद)

के

संगीत विभाग द्वारा आयोजित

सर्टिफिकेट कोर्स

(लोक नृत्य)

कोर्स का उद्देश्य अक्सर इस भाषा और संगीत की प्रकृति, इतिहास, और संस्कृति को समझाना और प्रसारित करना होता है। यह कोर्स छात्राओं को हरियाणवी संगीत के विभिन्न पहलुओं को समझने और उन्हें विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे वे इस क्षेत्र में कैरियर बना सकें।

प्रमाणपत्र: कोर्स समापन पर सफलतापूर्वक प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

दिनांक - 20-01 -2020

कोर्स की अवधि -30 घण्टे

श्री जसबीर
संयोजक

डॉ पूनम शर्मा
प्राचार्या

लोक नृत्य/ Folk Dance Haryanvi

समय – 30 घंटे

UNIT-I

1. लोक नृत्य ।
2. हरियाणा के लोक नृत्यों का वर्णन ।
3. नृत्य की उत्पति एवम् विकास।

UNIT-II

1. हरियाणवी लोक गीत।
2. लोक नृत्य में वेशभूषा की भूमिका ।

UNIT-III

1. लोक नृत्य में मंच परिसज्जा का महत्व ।
2. खोड़िया नृत्य ।
3. धमाल, लूर, गुगा, बीन, छट्टी नृत्य, घोड़ा नृत्य ।
4. लोक वाद्य का लोक नृत्यों में महत्त्व ।

S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA NARWANA

Class: B.A III / B.A II   Month: ....   Year: 2020-21

Lecturer Delivered: .... Previous Lecturer Delivered: .... Total: ....

S. No.	Roll No.	Name	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
(1)	02	Ritu	P	P	P	A	P	A	P	P	A	P	P	P	P	P	P	P	A
(2)	18	Pooja	A	P	P	A	P	P	P	P	P	P	P	P	A	P	P	P	A
(3)	53	Anju	P	P	P	A	P	A	A	P	A	P	P	A	A	A	P	P	A
(4)	66	Manisha	P	P	P	P	A	P	P	P	P	A	P	P	P	P	A	P	P
(5)	117	Madhu	P	A	P	P	A	P	P	A	P	P	A	P	P	P	A	P	A
(6)	122	Anu	A	P	A	P	A	P	P	P	P	A	P	P	P	P	A	P	P
(7)	226	Swati	A	P	A	P	P	A	P	A	A	P	P	A	P	P	P	A	P
(8)	136	Monika	P	P	A	P	P	A	P	P	A	P	P	P	P	A	P	P	A
(9)	143	Sheta	P	P	P	P	A	P	A	P	A	P	P	P	P	P	A	P	A
(10)	155	Mansi	P	A	P	P	P	P	A	P	P	A	A	P	P	A	P	P	P
(11)	179	Kammini	P	P	A	P	P	A	P	P	P	A	P	A	P	P	P	P	P
(12)	174	Pooja	P	P	P	P	A	P	A	P	P	A	P	P	P	P	A	P	A
(13)	189	Sanjana	P	P	A	A	P	A	P	A	A	P	P	P	P	P	P	P	A
(14)	205	Manisha	P	P	A	P	A	P	P	P	A	P	P	P	P	A	P	P	P
(15)	219	Jyoti	A	A	P	P	P	A	P	A	P	P	A	P	A	P	P	P	P
(16)	213	Sushila	P	A	P	P	P	A	P	P	P	A	P	A	P	P	A	P	A
(17)	195	Nisha	P	P	P	P	P	P	P	A	P	P	P	P	P	P	A	P	A
(18)	200	Sonali	A	P	A	A	P	P	P	A	P	P	P	A	P	P	A	P	A
(19)	251	Pooja	P	P	A	A	P	P	P	P	A	P	A	P	P	P	P	A	P
(20)	174	Aarchi	A	P	P	P	P	A	P	P	P	A	A	A	P	P	P	A	P
(21)	175	Muskan	P	A	P	A	P	P	A	P	A	P	P	A	P	A	A	P	A
(22)	154	Nishu	P	P	A	P	P	A	P	P	P	A	P	A	A	P	P	P	P
(23)	180	Priyanka	P	A	P	P	A	P	P	P	A	P	P	P	P	A	P	A	P
(24)	203	Nitya	A	P	P	P	A	P	A	A	P	P	P	P	P	A	P	P	P
(25)	214	Lavisha	A	P	P	P	P	A	P	P	P	A	P	A	P	P	P	A	P
(26)	216	Manisha	P	P	A	P	A	P	P	A	P	P	A	P	P	A	P	P	P

S. No.	Roll No.	Name	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	Lecturer Attended	Previous Lecturer Attended	Total Attended	Remarks
(1)	02	Ritu	P	P	A	P	P	P	P	A	P	P	P	P	A		23			
(2)	18	Pooja	A	P	P	P	P	P	P	P	P	P	A	P	A		24			
(3)	53	Anju	A	A	P	P	P	P	P	P	P	A	P	P	P		20			
(4)	66	Manisha	P	P	P	P	P	P	A	P	A	P	P	P	A		23			
(5)	117	Madhu	P	A	P	A	P	A	P	A	P	P	P	P	P		20			
(6)	122	Anu	A	P	A	P	P	A	A	P	P	P	A	P	A		19			
(7)	226	Swati	P	P	P	P	P	A	A	P	P	P	P	P	P		20			
(8)	136	Monika	A	P	P	P	A	P	P	A	P	P	A	P	A		20			
(9)	143	Sheta	A	P	P	P	A	P	P	P	A	P	P	P	P		22			
(10)	155	Mansi	P	A	P	A	P	A	A	P	P	P	A	A	A		17			
(11)	179	Kammini	A	P	A	P	P	P	A	P	P	A	P	P	P		22			
(12)	174	Pooja	P	A	P	P	A	P	A	P	A	P	P	A	A		19			
(13)	189	Sanjana	P	A	P	A	P	A	A	P	P	P	A	P	P		19			
(14)	205	Manisha	P	P	P	P	P	A	P	P	A	P	P	P	P		25			
(15)	219	Jyoti	P	A	P	A	A	P	P	P	P	P	P	A	P		20			
(16)	213	Sushila	A	P	P	P	P	A	P	A	P	A	P	A	P		19			
(17)	195	Nisha	P	A	P	P	A	P	P	A	P	P	P	P	P		24			
(18)	200	Sonali	P	A	P	P	P	A	P	A	P	P	A	P	A		18			
(19)	251	Pooja	A	P	P	A	P	P	P	A	P	P	P	P	P		22			
(20)	174	Aarchi	P	P	P	A	P	P	A	P	P	P	P	P	A		21			
(21)	175	Muskan	A	P	A	P	A	P	P	A	P	A	P	P	P		18			
(22)	154	Nishu	P	P	P	A	P	P	A	P	P	A	P	P	P		23			
(23)	180	Priyanka	P	A	P	P	A	P	A	P	A	P	A	P	A		19			
(24)	203	Nitya	P	P	A	P	P	A	P	A	P	A	P	P	P		22			
(25)	214	Lavisha	P	A	P	P	P	P	A	P	A	P	A	P	A		20			
(26)	216	Manisha	A	P	P	A	P	P	A	P	P	P	P	A	P		21			

कैसे फरर-फरर फहराई रे बिना ब्याह चुनरिया...

- युवा महोत्सव उल्लास के दूसरे दिन रसिया समूह नृत्य का उठाया लुफ्त

नरवाना, बिन्टू श्योराण (पंजाब केसरी): शहर के कोर्ट रोड स्थित एसडी महिला कालेज में चल रहे चौथे युवा महोत्सव उल्लास के दूसरे दिन एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुई। इन सभी प्रस्तुतियों में सबसे प्रमुख रसिया की रही, जो कि महोत्सव में मुख्य मंच पर शुरूआत में ही करवाई गई।

रसिया का सभी दर्शकों ने भरपूर आनंद भी उठाया। महोत्सव के दूसरे दिन भी कालेज की प्रबंधन कमेटी के सचिव जियालाल गोयल और कालेज प्राचार्या पूनम शर्मा द्वारा बुक्के देकर स्वागत किया गया। महोत्सव के दूसरे दिन मुख्यातिथि के रूप में प्रधान सुरेश सिंघल, सम्मानित अतिथि के रूप में हरियाणा कला परिषद के पूर्व अध्यक्ष अजय सिंघल, विशिष्ट अतिथि अनुरोध गिरी पहुंचे। इस मौके पर कालेज प्रबंधन समिति के प्रधान सुरेश सिंघल, उपप्रधान राजकुमार गोयल, सचिव जियालाल गोयल, कैशियर जवाहर सिंगला और कालेज प्राचार्या डा.पूनम शर्मा द्वारा पंडाल में पहुंचने से पहले कालेज परिसर में पीर बाबा की मंढी पर माथा टेका और मुख्य मंच पर मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्जवलित किया।

एसडी महिला कालेज में चल रहे चौथे युवा महोत्सव उल्लास के दूसरे दिन मुख्य मंच पर कैसे फरर-फरर फहराई रे बिना ब्याह चुनरिया गीत पर समूह नृत्य प्रतिभागियों द्वारा दिखाया गया। समूह नृत्य के माध्यम से होली के दौरान खेले जाने वाले देवर भाभी का फाग खेलना आर्कषण का केंद्र बना।

साइकिल पर नृत्य करते हुए छात्र कलाकार। (छाया: शर्मा)

कैसे फहर-फहर फहराई रे बिना ब्याह चुनरिया..

संवाद न्यूज एजेंसी

नरवाना। एसडी महिला कॉलेज में चल रहे चौथे युवा महोत्सव के दूसरे दिन कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन सभी प्रस्तुतियों में सबसे प्रमुख रसिया की रही, जोकि महोत्सव में मुख्य मंच पर शुरुआत में ही करवाई गई। रसिया का सभी दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया।

दर्शकों ने रसिया समूह नृत्य का उठाया लुत्फ

एसडी महिला कॉलेज में चल रहे चौथे युवा महोत्सव उल्लास के दूसरे दिन मुख्य मंच पर 'कैसे फहर-फहर फहराई रे बिना ब्याह चुनरिया' गीत पर प्रतिभागियों ने समूह नृत्य किया।

समूह नृत्य के माध्यम से होली के दौरान खेले जाने वाले देवर-भाभी का फाग आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं दूसरे टीमों ने होली महोत्सव को फूल होली के साथ खेलकर नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. पूनम शर्मा, डॉ. अंजना सोहान, डॉ. नवनदीप, डॉ. शालू, डॉ. अनीता छाबड़ा मौजूद रहीं।

युवा महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देतीं छात्राएं। संवाद

युवा महोत्सव में प्रस्तुति देते कलाकार।

गुरु और शिष्य ने एक साथ प्रबंधन कमेटी को बांधी पगड़ी

महोत्सव के दूसरे दिन गुरु और शिष्यों ने प्रबंधन कमेटी को एक साथ पगड़ी बांधी। प्रबंधन कमेटी को पगड़ी बांधने वालों में सलीम हरियाणवी ने बताया कि इस कॉलेज की प्रतिभागी पिछले पांच साल से पगड़ी प्रतियोगिता में उच्च स्थान हासिल कर रही है। कुछ ही सेकंड में कॉलेज की प्रतिभागी पगड़ी को बांध देती हैं।

हरियाणवी कलाकार महाबीर गुड्डू ने किया लोटपोट

मुख्य मंच पर हरियाणवी कलाकार महाबीर गुड्डू ने अपने चुटकुलों से दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने देशभक्ति गीत के माध्यम से सभी को भावविभोर कर दिया।

कुछ विधाओं के परिणाम भी किए घोषित

विधा	कॉलेज	स्थान
क्लासिकल वोकल सोलो	यूटीडी, सीआरएसयू, जींद	प्रथम
क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो	एसआर किसान कालेज, जींद	प्रथम
लाइट वोकल इंडियन	हिंदू कन्या कालेज, जींद	प्रथम
ग्रुप सॉन्ग, जनरल	एसी महिला कॉलेज, नरवाना	प्रथम
फोक सॉन्ग, जनरल	हिंदू कन्या कॉलेज, जींद	प्रथम
फोक सॉन्ग हरियाणवी, एकल	हिंदू कन्या कॉलेज, जींद	प्रथम
ग्रुप सॉन्ग हरियाणवी	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
हरियाणवी पॉप सॉंग	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
हरियाणवी गजल	यूटीडी, सीआरएसयू, जींद	प्रथम
क्लासिकल डांस	एसडी कन्या कालेज, नरवाना	प्रथम
सोलो डांस हरियाणवी (मेल,फिमेल)	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
संस्कृत ड्रामा	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
रिचुअल	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम

एस.डी. महिला कॉलेज ने लगातार तीसरी बार जमाया ओवरऑल ट्राफी पर कब्जा

...क महोत्सव की ओवरऑल चैंपियन रही एस.डी. महिला कॉलेज की टीम ट्राफी लेते हुए। (राजीव)

कार्यक्रम में प्रधान सुरेश सिंघल व सी.आर.एस.यू. की डी.वाई.सी.ए. डा. ज्योति श्योराण को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते संस्था के सदस्य। (राजीव)

की प्रबंधक समिति के प्रधान सुरेश सिंघल, उप प्रधान राजकुमार गोयल, सचिव त्रिलोकचंद गोयल, वरिष्ठ सदस्य सीताराम फरैण व राजेंद्र सिंगला सहित अन्य सदस्यों ने स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सी.आर.एस.यू. की डी.वाई.सी.ए. डा. ज्योति श्योराण, नगरपरिषद की चेयरपर्सन सुनीता चोपड़ा, समाजसेवी सुरेश चोपड़ा, बलजिंद्र सिंह मुकीजाल, जगरूप सुर्वेवाला, दीवान खन्नेकिजाल, बजरंग राय गोयल, अनाज मंडी के प्रधान शशीकांत शर्मा, नगरपरिषद के पूर्व चेयरमैन कैलाश सिंगला व भारतभूषण गर्ग, जांगा सिंह दुल्लड़, अनाज मंडी के पूर्व प्रधान राम आर्य, राजसिंह जैन कालाखेड़ा, रोशनलाल सिंगला, रघुभूषण गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, राजेंद्र गोयल, विनोद मंगला, राकेश शर्मा, महेंद्र बेलरखां, हरचरण सिंह, चंद्रकांत शर्मा, मोहन अग्रवाल, अमृत लाल ढांडा, कॉलेज प्राचार्या डा.पूजा शर्मा, अंजना लोहान, डा.नवनदीप, डा.अनिता सांवड़ा, डा. शकुन रेखा कोहली व अनिल कुमार सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

हरियाणवी वेशभूषा में सजकर तैयार बैठी छात्राएं अपनी प्रस्तुति के इंतजार में। (राजीव)

नगरपरिषद की चेयरपर्सन सुनीता चोपड़ा व सुरेश चोपड़ा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते दिल्ली को-ऑपरेटिव हाऊसिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन राजेश गोयल व संस्था के सचिव त्रिलोकचंद गोयल। (राजीव)

...महोत्सव में शानदार प्रस्तुति देती छात्राएं। (राजीव)

अतिथियों के स्वागत के लिए पारम्परिक ढोल-नगाड़े बजाते कलाकार। (राजीव)

प्रश्न - पत्र

Max Marks = 20

1. हरियाणा के लोक नृत्यों का वर्णन कीजिए। 4x5=20

2. नृत्य की उत्पत्ति एवम विकास पर व्याख्या कीजिए।

3. लोक नृत्य में वेशभूषा की भूमिका ।

4. लूर एवम् गुगा नृत्य का वर्णन कीजिए।

5. लोक वाद्यों का महत्व क्या है।

6 (1) लोक शब्द का क्या अर्थ है? 10x1=10

(11) हरियाणा के लोक नृत्यों के नाम बताएं।

(111) कोई दो लोक वाद्यों का नाम बताएं।

(1 v) गुगा नृत्य किस माह में किया जाता है।

(V) धमाल नृत्य किसके द्वारा किया जाता है?

(V1) हरियाणा दो सुषिर वाद्य बताएं।

(VII) खोड़िया नृत्य किस अवसर पर किया जाता है?

(VIII) गुगा नृत्य कब किया जाता है ।

(1x) फसल के पकने पर किसानों द्वारा कौनसा नृत्य किया जाता है?

(x) तीज नृत्य के कोई 2 लोक गीत लिखें।

20/30

S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA, NARWANA

Roll No. ~~2018160900008~~ 2016 Class B.A III Sec. .... Subject लोक साहित्य

Date 22/02/2021 Signature Ritu

(1) आम जनता

(2) घूमर नृत्य, खोड़िया, घोड़ा

3 नगाड़ा, बिन, बांसुरी,

(4) भादवा में

(5) आदमियों का नृत्य

(6) बांसुरी, बिन

(7) लड़की के विवाह पर

(8) घूमर नौती पर

9 धमाल

10 फागण आया रंग भरा, झूलन लागी है माँ बाग में

(1) हरियाणा में अनेक लोक नृत्य होते हैं। हरियाणा नृत्यों का महत्वपूर्ण प्रदेश माना जाता है यहां पर अलग - अलग अवसरों के हिसाब से नृत्य किया जाता है ये अवसर इस प्रकार से लिया गया

हरियाणवी नृत्य :-

हमारे यहां हरियाणा में हरयाणवी भेष भूषा पहन कर नृत्य किया जाता है जैसे दामण कुर्ती डाल कर गन्ठी गरसली लागडी झुमकी आदि डाल कर किया जाता है खिल मिलाता सुन्दर यह हमारे हरियाणा की शान है जिसे हम हरियाणवी भेष भूषा का आनन्द लेते हैं

2

गोगा नृत्य

हमारे यह गोगा नृत्य बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है गोगा नवमी के दिन ढोल ईरू बजाई जाते हैं लोग इस दिन गोगा की छड़ी उठा लेते हैं बड़ी धूम - धाम से गोगा नृत्य किया जाता है

खोड़िया

खोड़िया भी एक प्रकार का नृत्य है जिसे बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है खोड़िया नृत्य किया जाता है उसे खोड़िया नृत्य कहते हैं

नृत्य की उत्पति और विकास

भारतीय संगीत में प्रारम्भ से ही गायन, वादन और नृत्य के समन्वित स्वरूप से जाना जाता है। गायन वादन के विभिन्न अंगों प्रत्ययों पर चर्चा करने के बाद नृत्य कला का स्वरूप जानना भी आवश्यक है उसी आधार पर ही नृत्य कला कहां से उद्भूत हुई। नृत्य का अर्थ स्वरूप क्या है

भारतीय परंपरा में भगवान शिव से नृत्य की उत्पति मानी गई है शिव ने ताण्डव तथा शिव की पत्नी पार्वती ने अपनी सुकोमलता से युक्त लास्य नृत्य की रचना की। लेकिन सृष्टि की इस नैसर्गिक क्रिया को हम किसी न किसी रूप में अनुभव करते हैं, नृत्य कला को मानव जाति के समान ही प्राचीन माना गया है। सृष्टि में पेड़ पौधे, लताएं, वृक्ष जब हवा द्वारा हिलते या झूमते होंगे तो नृत्य की मुद्राएं उत्पन्न हुई होंगी। अन्य मतों के अनुसार यह भी माना गया है कि मानव ने जब से अपने भावों को अंगों द्वारा हिला कर प्रदर्शित करना प्रारम्भ किया तभी से नृत्य कला का सूत्रपात हुआ होगा।

गायन कला में या वादन कला में मनुष्य अपने भावों को

अभिव्यक्ति उस अनुरूप गाकर अथवा किसी वाद्य को बजा कर करता है। लेकिन मानवीय भावनाओं की संवेदनशील अनुभूति का सशक्त माध्यम नृत्य को माना गया है जिसमें अपनी विभिन्न हस्त क्रियाओं, स्वाभाविक भाव, पद संचालन द्वारा स्वयं की कला और भावों को प्रदर्शित करता है

Q3 लोक नृत्य वेष भूषा का वर्णन इस प्रकार है, लोक नृत्य बड़ी धूम-धाम से मनाते हैं अलग-अलग प्रकार की वेश भूषा डाल नृत्य किया जाता है अलग अलग चीजें डाली जाती है

हरियाणवी लोक नृत्य :-

हरियाणवी लोक नृत्य में दामण कुर्ती झुमकी गण्ठी चुन्दड़ नगड़ी आदि पहना जाता है इसे हरियाणवी लोक नृत्य की वेश भूषा कहा जाता है

गोगा नृत्य :-

यह गोगा नवमी के दिन भाद्रपद में मनाया जाता है, इस दिन डोरू डेरू का लोग प्रयोग करते हैं बड़ी - धूम - धाम से मनाते हैं इसमें लोग नीले रंग के वस्त्र डालते हैं हाथों में छुवारा धागे डालते हैं इसे गोगा नृत्य कहते हैं

(4) पंजाबी नृत्य !

यह भी एक अपनी वेश भूषा और अपने अंदाज में नृत्य करता है जैसे लोग पंजाबी लोक नृत्य करते हैं, इसमें लोग बहुत सुन्दर कपड़े डालते हैं, सर पे पग बांधते हैं। लड़के कुर्ती धोती डालते हैं लड़कीयाँ पंजाबी सलवार सूट डालती हैं और वे जेवरात डाल नाच कर या बोलियों पर गिद्दा डालती हैं

(5) खोड़िया

यह भी एक प्रकार का नृत्य है यह ब्याह शादियों में बरात जाने के बाद किया जाता है जो भी अलग - अलग कपड़े डाल कर औरतें खोड़िया करती हैं

(6) राजस्थानी नृत्य.

यह भी एक नृत्य है, इसमें लोग राजस्थानी कपड़े डालते हैं, ढीला सा लहंगा कुर्ती चुंदड़ी और रंग की लम्बी चोटियां डालते हैं हाथों में चुड़े डालते हैं पैरों में बिछुवे डालते हैं माथे पर बिंदिया बोरला डालती है

और वह राजस्थानी संगीत पर असर डालती है इसे
राजस्थानी लोक नृत्य भी कहा जाता है

कुरु व गींग नृत्य का वर्णन इस प्रकार से है

कुरु) कुरु एक नृत्य है जिसे लोग बड़े धूम धाम से मनाते है। इस नृत्य में बहुत आनन्द आता है यह बड़े उत्सव से मनाया जाता है जिसे कुर नृत्य कहते है

गींग नृत्य :
गींग नृत्य भादव में नवमी के दिन बड़े धूम - धाम से मनाया जाता है लोग गींगा नवमी के दिन गोगा पीर महाराज की छड़ी उठाते है यह काम भी होता है और वे गोगा जी के गीत गाते है डैरु बजाते है ढोल पर नृत्य करते है नीले रंग के वस्त्र डालते है और बहुत आनन्द लेते हुए नृत्य करते है। गोगा पीर महाराज के गीत गाए जाते है। लेडिज भी बढ़ चढ़ कर भाग लेती है झूम - झूम कर नृत्य करते है गोगा के दिन लोग खुशी - खुशी गीत गाते है गोगा की छड़ी उठा कर नृत्य करते है यह बहुत प्रचलीत है इसे गोगा नृत्य कहते है

लोक वाद्य का महत्व इस प्रकार है लोक यंत्र को संगीत में बहुत महत्तव माना जाता है लोक वादयों के बिना लोक नृत्य का कोई महत्व नहीं है और लोक नृत्य के बिन लोक संगीत की अनुभूती नहीं की जा सकती है लोक वादयों के बिना संगीत अधूरा और फिका लगता है इसके बिना किसी भी संगीत को पूरा नहीं किया जा सकता है इसलिये संगीत की दुनिया में लोक वादयों का बहुत - बहुत महत्तव माना गया है। यह संगीत के लिए बहुत जरूरी है लोक वादय यंतो में संगीत इनके बिना नहीं बजाया या बनाया जा सकता है वादय यंतो के बिना संगीत अधूरा माना गया है इसलिए संगीत में यह बहुत जरूरी है और संगीत में बहुत सारे अलग - अलग प्रकार के वादय यंत्र है। जैसे हारमोनियम, ढोल, नगाड़ा, ढोलक, बीन, बासुरी, खड़ताल, चिमटा, तबला आदि कई प्रकार के वादय यंत्र है इनके बिना संगीत की दुनिया अधुरी मानी जाती है इसके माध्य से संगीत बनता है

Certificate Course ... सौन्दर्य ... M.M. 30

Session 2020-21 ... Result

Sr.No.	Student Name	College Roll No.	Marks
1	Ritu	2018160900002016	20
2	Pooja	2018160900002472	21
3	Anju	2018160900002821	15
4	Manisha	2018160900002850	16
5	Madhu	2018160900002428	13
6	Anu	2018160900002491	24
7	Swati	2018160900002800	21
8	Monika	2018160900002516	23
9	Sneha	2018160900002414	20
10	Mansi	2018160900002866	10
11	Kammini	2018160900002496	07
12	Pooja	2018160900002828	13
13	Sanjana	2018160900002439	15
14	Manisha	2018160900002880	18
15	Jyoti	2018160900002466	09
16	Sushila	2018160900002844	11
17	Nisha	2018160900002446	13
18	Sonali	2018160900002772	17
19	Pooja	2018160900002872	10
20	Aarchi	2019160900010451	19
21	Muskan	2019160900010457	21
22	Nishu	2019160900010561	24
23	Priyanka	2019160900010463	23
24	Nitya	2019160900009846	17
25	Lavisha	2019160900010527	10
26	Manisha	2018160900002880	07
27			
28			
29			
30			
31			
32			
33			
34			
35			
36			
37			
38			
39			
40			
41			
42			
43			
44			
45			
46			
47			
48			
49			
50			
51			
52			

Total students = 26

Present = 26

Absent = 0

रिपोर्ट

सनातन धर्म महाविद्यालय में 20-01-2020 से लोक नृत्य पर 30 घण्टे का सर्टिफिकेट कोर्स करवाया गया। जिसमें महाविद्यालय की 26 छात्रों ने भाग लिया। महाविद्यालय में समय-समय पर प्राचार्या डॉ० पूनम शर्मा ने बच्चों को प्रेरित किया। यह कोर्स संगीत विभाग के प्रवक्ता जसबीर के नेतृत्व में शुरु किया गया। बच्चों को लोक नृत्य सिखाया गया। छात्रों की 30 अंक की परीक्षा ली और सर्टिफिकेट वितरित किए गए। प्रधानाचार्य के बच्चों को बहुत मदद मिली।

कुल प्रतिभागी छात्राएं = 26
पास = 26

Session - 2020-2021

S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA

NARWANA (JIND)

(AFFILIATED TO CH. RANBIR SINGH UNIVERSITY, JIND)

Certificate of Participation

This is to certify that Miss **MANISHA** of **Class B.A. II** Participated in **लोक नृत्य** **(Session 2020-21)** Course for a duration of 30 hours organized in College Campus by Music Department.

Convener

Principal
S.D. Mahila Mahavidyalya
Narwana

Principal

S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA

NARWANA (JIND)

(AFFILIATED TO CH. RANBIR SINGH UNIVERSITY, JIND)

Certificate of Participation

This is to certify that Miss **POOJA** of **Class B.A. III** Participated in **लोक नृत्य (Session 2020-21)** Course for a duration of 30 hours organized in College Campus by Music Department.

Convener

Principal
S.D. Mahila Mahavidyalya
Narwana

Principal